

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेल्कम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 282

गुरुवार, 22 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

योगी सरकार में परिषदीय शिक्षा की गुणवत्ता को नई गति, शिक्षक संकुल बैठकों से संवरेगा शिक्षण

शिक्षक संकुल बैठकों को प्रभावी, सहभागितापूर्ण और परिणामोन्मुख बनाने पर जोर

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए शिक्षकों की क्षमता संवर्धन पर विशेष जोर दे रही है। इसी क्रम में न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाली शिक्षक संकुल की मासिक बैठकों को अधिक प्रभावी, सहभागितापूर्ण और परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी निर्देश में बताया गया है कि इन बैठकों के माध्यम से शिक्षक अपने नवाचारों, उत्कृष्ट शिक्षण पद्धतियों और सफल शैक्षिक प्रयोगों को साझा कर सकेंगे। इससे विद्यालयों में बेहतर शिक्षण वातावरण विकसित करने, निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति और बच्चों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को मजबूती



मिलेंगी।

शिक्षक संकुल बैठकों का उद्देश्य शिक्षकों की क्षमता को विकसित करना और विद्यालयों में अपनाई जा रही प्रभावी शिक्षण पद्धतियों को व्यापक स्तर पर साझा करना है। बैठकों में शिक्षण संबंधी चुनौतियों के समाधान, शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग और नए शैक्षिक प्रयोगों पर चर्चा की जाएगी। शिक्षकों को रोटेशन के आधार पर अपने नवाचार और अनुभव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इससे शिक्षक एक-दूसरे के

सफल प्रयासों से सीख सकेंगे और विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को निरंतर बेहतर बनाने में योगदान देंगे।

निर्धारित एजेंडे के अनुसार होंगी मासिक बैठकें

पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार को अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्यदिवस पर शिक्षक संकुल की बैठक निर्धारित एजेंडे के अनुसार आयोजित की जाएगी। एक अप्रैल से 30 सितंबर तक बैठक का समय

दोपहर 12 बजे से अपराह्न दो बजे तक तथा एक अक्टूबर से 31 मार्च तक अपराह्न एक बजे से तीन बजे तक निर्धारित किया गया है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएंगी, ताकि संबंधित कक्षाओं की शिक्षण आवश्यकताओं और शैक्षिक लक्ष्यों पर केंद्रित चर्चा हो सके।

बच्चों में विकसित होंगे तार्किक और चिंतन कौशल

अपर मुख्य सचिव के निर्देश में



शामिल करने पर भी जोर दिया गया है, जिससे बच्चे विषयों को समझने और अपने विचार व्यक्त करने में अधिक सक्षम बन सकें।

निपुण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए होगी नियमित सलीका

एसीएस पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि प्रत्येक शिक्षक संकुल बैठक में आगामी माह के लिए स्पष्ट एवं मापनीय शैक्षिक लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे। बैठकों में विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति और प्रभावी शिक्षण रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, सफल शैक्षिक प्रयोगों और सामुदायिक सहभागिता के प्रयासों को साझा किया जाएगा, ताकि उपयोगी अनुभवों को अन्य विद्यालयों में भी अपनाया जा सके। उन्होंने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिक्षक संकुल बैठकों का निर्णायक और गुणवत्तापूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया जाए।

नक्सलवाद खत्म करने के बाद अब देश को 31 दिसंबर, 2029 तक करेंगे नशा मुक्त- अमित शाह

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश अभी पूरी तरह से समस्याओं से मुक्त नहीं हुआ है। हमारे सामने अभी भी कई समस्याएं हैं। जिसमें देश को नशे से मुक्त कराना अहम है। देश को नक्सल मुक्त करने के बाद सरकार ने अब तय किया है कि इस साल के बाकी बचे महीनों से लेकर 2029 तक साढ़े तीन सालों में देश को नशा मुक्त करना है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 दिसंबर, 2029 की समयसीमा तय की है।

गृह मंत्री ने कहा कही ये बात

गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात बुधवार को दिल्ली में हर साल 21 अक्टूबर को बनाए जाने वाले पुलिस स्मृति दिवस के वार्षिक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय पुलिस स्मारक में शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कही। इस अवसर पर सीएनएफ और दिल्ली पुलिस की एक संयुक्त परेड भी आयोजित की गई। उन्होंने आगे कहा कि इस अवसर पर शाह ने 'मादक पदार्थों के खिलाफ



जंग' विषय पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, सीएनएफ और अन्य केंद्रीय पुलिस संगठनों द्वारा 90 बाइक सवारों की रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली ड्रग्स के खिलाफ देशव्यापी अभियान का हिस्सा है। इसमें देशभर के मोटरसाइकिल सवार गुजरात के एकता नगर पहुंचेंगे और वहां 31 अक्टूबर को आयोजित 'एकता परेड' में हिस्सा लेंगे।

आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने के लिए अभियान जरूरी

उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि देश की भावी पीढ़ियों को सुरक्षित रखने के लिए यह अभियान बेहद जरूरी है। उन्होंने देश के तमाम पुलिस बलों को

नशामुक्त भारत बनाने के सरकार के टारगेट को हासिल करने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए कहा।

सालों से फैले नक्सलवाद को किया खत्म

शाह ने इस अभियान को देश की एक प्रमुख राष्ट्रीय प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि इससे देश की अर्थव्यवस्था पर भी अनावश्यक रूप से बोझ पड़ता है और देश के खिलाफ काम करने वालों को वित्तीय मदद भी मिलती है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सरकार ने देश में दशकों पुराने नक्सलवाद समस्या का इस साल 31 मार्च को खाम्ता कर दिया।

जड़ से खत्म करनी होगी नशे की समस्या

इसी तरह से नशे की समस्या को भी जड़ से खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि 1981 से मार्च 2026 तक देश में नक्सल हिंसा से 3600 से अधिक सुरक्षाकर्मियों और 13 हजार 700 से अधिक आम लोग मारे गए। नक्सलवाद की इस लड़ाई को जीतने के लिए उन्होंने सीआरपीएफ और इसकी कोबरा बटालियन के साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस की भी सराहना की।

सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को बड़ी राहत, एसईएम कोर्ट ने रिहा करने का दिया आदेश

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉंग्रेस जनता पार्टी (CJP) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को स्पेशल एजिक््यूटिव मजिस्ट्रेट (SEM) कोर्ट ने रिहा करने का आदेश दिया है। दोनों नेताओं की दो दिन की बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें बुधवार को मॉडर मार्ग पुलिस स्टेशन में एट कोर्ट के सामने पेश किया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने दोनों की तीन दिन की और न्यायिक हिरासत की मांग की, लेकिन कोर्ट ने दोनों को रिहा करने का आदेश दे दिया।

सौरव दास और आशुतोष रांका को 14 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। हिरासत की अवधि खत्म होने पर दोनों को दोबारा एट कोर्ट में पेश किया गया। अब कोर्ट के रिहाई के आदेश के बाद इस मामले में दोनों नेताओं को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले 'कॉंग्रेस जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने



न्यायिक हिरासत के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका को बुधवार को वापस ले लिया। विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) की कोर्ट ने उन्हें 21 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ सौरव और आशुतोष दिल्ली हाईकोर्ट गए थे। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई के दौरान सौरव दास और आशुतोष रांका की उम्र का जिक्र हुआ। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने बताया कि सौरव दास 27 साल और आशुतोष रांका 31 साल के हैं। इसके बाद हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'तो ये जेन-जी नहीं हैं।' जज ने यह भी पूछा कि 'मिलेनियल्स' और 'जेन-जी' की उम्र का दायरा क्या है?

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पर बड़ा साइबर हमला, 3,897 ग्राहकों का गोपनीय डेटा डार्क वेब पर लीक

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने बुधवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए साइबर हमले और डेटा लीक की आधिकारिक पुष्टि की। बैंक ने बताया कि 16 अक्टूबर 2026 को उसे अपने 'श्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर', 'डिफेंस साइबर एजेंसी' और देश की प्रमुख साइबर सुरक्षा एजेंसी 'CERT-IN' की ओर से एक चेतावनी मिली थी। इस अलर्ट में आशंका जताई गई थी कि बैंक के कुछ ग्राहकों का गोपनीय डेटा डार्क वेब पर अपलोड कर दिया गया है।

साइबर हमले की पुष्टि: देश के सबसे बड़े बैंक 'स्टेट बैंक ऑफ इंडिया' (SBI) ने स्वीकार किया है कि उन पर साइबर हमला हुआ है, जिससे ग्राहकों का डेटा खरों में आ गया है।

3,897 ग्राहकों का डेटा लीक: बैंक के अनुसार, कुल 3,897 ग्राहकों की निजी पहचान से जुड़ी जानकारी (PII) शामिल है, डार्क वेब पर लीक हो गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक के अनुसार, डेटा लीक के स्रोत और इसके दायरे का पता लगाने के लिए एक विस्तृत जांच का आवश्यकता है। साथ ही, इससे ग्राहकों और बैंक को होने वाले संभावित जोखिमों का आकलन भी किया



लोन/लीड रिकॉर्ड का मेटाडेटा शामिल है।

सुरक्षा एजेंसियां और जांच: बैंक को 16 अक्टूबर 2026 को एजेंसियों से अलर्ट मिला था, जिसके बाद CERT-IN द्वारा मान्यता प्राप्त स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी को जांच के लिए लगाया गया है।

बैंक ने बताया कि 3,897 ग्राहकों का डेटा, जिसमें उनकी निजी पहचान से जुड़ी जानकारी (PII) शामिल है, डार्क वेब पर लीक हो गया है। सार्वजनिक क्षेत्र के इस बैंक के अनुसार, डेटा लीक के स्रोत और इसके दायरे का पता लगाने के लिए एक विस्तृत जांच का आवश्यकता है। साथ ही, इससे ग्राहकों और बैंक को होने वाले संभावित जोखिमों का आकलन भी किया

जाएगा। बुधवार को एक एक्सचेंज फाइलिंग में बैंक ने कहा, 'हम आपको सूचित करते हैं कि बैंक के साथ एक ऐसी घटना हुई है जिसमें कुछ डेटा लीक (नुकसान) हुआ है।' बैंक के अनुसार, 16 अक्टूबर 2026 को उसे अपने 'श्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर', 'डिफेंस साइबर एजेंसी' और 'CERT-IN' से एक अलर्ट मिला था। इस अलर्ट में बताया गया था कि बैंक के ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक होने का संदेह है। फाइलिंग के अनुसार, 'लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल पते, घर के पते, ब्रांच और CIF आइडेंटिफायर, लीड कड, और लोन/लीड रिकॉर्ड तथा अन्य संबंधित फाइलों से जुड़ा मेटाडेटा शामिल है।'

प्रियांक खड़गे ने आरएसएस को घेरा, कहा- दिखावा छोड़ खुद को राजनीतिक पार्टी के रूप में दर्ज कराएं

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने सत्ता परिवर्तन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी की आलोचना की और संगठन के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें वह खुद को पूरी तरह से सांस्कृतिक संगठन बताता है। फ्रांस में हो रहे विशेष-प्रदर्शनों और अल्बानिया, नेपाल तथा बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में भागवत के इस बयान पर कि सत्ता परिवर्तन न तो कभी हुआ है और न ही कभी होगा, खड़गे ने राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी करने के फर प्रमुख के अधिकार को ही चुनौती दे दी। खड़गे ने कहा कि सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग, चुनाव आयुक्त, मतदाता सूची, फॉर्म 6 और फॉर्म 7 पर कब्जा कर लिया है। क्या आप इसके बाद भारत में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव होने की उम्मीद कर



सकते हैं? तो फिर, मुख्य चुनाव आयुक्त को न्यायिक छूट (जुडिशियल इम्युनिटी) की क्या जरूरत है? मोहन भागवत कौन होते हैं टिप्पणी करने वाले? उन्हें ही तय करने दें कि फर एक सांस्कृतिक संगठन है या राजनीतिक संगठन। वे सिर्फ राजनीति, आर्थिक स्थिति, रक्षा और विदेश नीति के बारे में बात करते हैं। वे कहते हैं कि हमें पाकिस्तान के साथ करीबी संबंध बनाए रखने चाहिए। ये लोग कौन हैं? क्या इनका स्वरूप सांस्कृतिक है या राजनीतिक?

सीएक्ट्यूएम ने दिल्ली एनसीआर में लागू ग्रैप 1, प्रदूषण रोकथाम के लिए जारी किए निर्देश

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में हवा की गुणवत्ता काफी खराब होने के बाद, पूरे दिल्ली-NCR में 'ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान' (GRAP) का पहला चरण तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। पर्यावरण मंत्री सिरसा ने इस बारे में जानकारी दी। 'कमिशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट' ने पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की एजेंसियों को निर्देश दिया है कि वे प्रदूषण के स्तर को और अधिक खराब होने से रोकने के लिए अपने उपायों को तेज करें। CAQM के 21 अक्टूबर के आदेश के अनुसार, दिल्ली का 'एयर क्वालिटी इंडेक्स' (AQI) 20 अक्टूबर की 179 था (जो 'मॉडरेट' यानी मध्यम श्रेणी में आता है), लेकिन 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे तक यह बढ़कर 244 हो गया, जो



'पुअर' यानी खराब श्रेणी में आता है। इस बढोतरी के बाद अधिकारियों ने हवा की गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की और पूरे क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण योजना का पहला चरण लागू कर दिया। यह फैसला CAQM की उप-समिति की एक बैठक के बाद लिया गया। इस बैठक में दिल्ली-NCR की मौजूदा वायु गुणवत्ता के साथ-साथ भारत मौसम

विज्ञान विभाग (IMD) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) द्वारा जारी पूर्वानुमानों की समीक्षा की गई। पूर्वानुमानों से संकेत मिला कि आने वाले दिनों में दिल्ली का AQI 'खराब' (poor) श्रेणी में रहने की संभावना है। समीक्षा के बाद, उप-समिति ने पूरे NCR में तत्काल प्रभाव से मौजूदा GRAP के चरण 1 (Stage

1) के तहत सभी उपाय लागू करने का निर्णय लिया। यह फैसला दिल्ली के अदक (वायु गुणवत्ता सूचकांक) में एक ही दिन के भीतर हुई भारी बढोतरी के बाद लिया गया है। 20 अक्टूबर को यह सूचकांक 179 था, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है, लेकिन 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे तक यह बढ़कर 244 पर पहुंच गया। 244 का स्तर 'खराब' श्रेणी में आता है, जो शहर की हवा की गुणवत्ता में गिरावट की दशात है। उप-समिति ने स्टेज 1 के उपायों को लागू करने का फैसला लेने से पहले, प्रदूषण के मौजूदा स्तर और आने वाले दिनों के पूर्वानुमान, दोनों पर विचार किया। यह आकलन IMD और IITM से मिली जानकारी के आधार पर किया गया था, जिससे पता चला कि हवा की गुणवत्ता के 'खराब' श्रेणी में ही बने रहने की संभावना है।

चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल भगदड़ की जांच के लिए एसआईटी गठित, तीन महीने में सौंपनी होगी रिपोर्ट

वेल्कम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल के पास 17 अक्टूबर को हुई भगदड़ की व्यापक जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। राज्य सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के परामर्श से गठित इस दल को घटना के कारणों का पता लगाने, संभावित लापरवाही की जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी है। एसआईटी को आदेश जारी होने की तारीख से तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपनी होगी। पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल की ओर से 21 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, सेवानिवृत्त न्यायाधीश अनिदिता रॉय सरवस्वती एसआईटी



की अध्यक्ष होंगी। इसके अलावा, राज्य के आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रधान सचिव, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के प्रतिनिधि, गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग के प्रतिनिधि और कोलकाता में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का एक प्रतिनिधि इसके सदस्य होंगे।

संपादक की कलम



भगदड़ की त्रासदी



ललित शर्मा

संपादक

भारत में धार्मिक आयोजनों, त्योहारों, राजनीतिक रैलियों, खेल समारोहों और रेलवे स्टेशनों पर लाखों लोगों की उपस्थिति सामान्य बात है। ऐसी विशाल भीड़ यदि वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधित न हो, तो कुछ ही क्षणों में भयावह भगदड़ में बदल सकती है। भगदड़ केवल भीड़ के दौड़ने का परिणाम नहीं होती, बल्कि अत्यधिक भीड़-घनत्व, अनियंत्रित दबाव और निकासी व्यवस्था की विफलता से उत्पन्न होने वाली मानव-निर्मित आपदा है। अक्टूबर 2026 में कोलकाता दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें 19 लोगों की मृत्यु हुई, ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक तकनीक और अनुभव होने के बावजूद भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियां बनी हुई हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस समस्या को कानून-व्यवस्था के बजाय आपदा जोखिम न्यूनीकरण के दृष्टिकोण से देखा जाए। भारत में भगदड़ की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण क्षमता से अधिक भीड़ का एकत्र होना है। अनेक धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक पहुंच जाती है, जबकि स्थल की वहन क्षमता सीमित होती है। प्रयागराज महाकुंभ 2025 की घटना ने दिखाया कि जब निर्धारित क्षमता से अधिक लोग एक साथ किसी स्थान पर पहुंचते हैं, तो भीड़ का दबाव स्वयं मृत्यु का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रति वर्ग मीटर छह से अधिक लोगों का घनत्व अत्यंत खतरनाक स्थिति उत्पन्न कर देता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण आधारभूत संरचना की कमियां हैं। संकरे प्रवेश द्वार, अपर्याप्त निकास मार्ग, टूटे हुए बैरिकेड, अस्थायी पुनर्र् और अव्यवस्थित गलियारे लोगों की आवांजही को बाधित करते हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 2025 में हुई भगदड़ ने यह दिखाया कि सीमित प्लेटफॉर्म, भीड़भाड़ वाले फुटओवर ब्रिज और अनियोजित यात्री प्रवाह किस्म प्रकर्ष दृष्टि का जन्म देते हैं। जब हजारों लोग एक ही दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं, तो पीछे का दबाव आगे खड़े लोगों को गिरा देता है। तीसरा कारण अनुरनक उत्पन्न होने वाली भीड़ की लहर (उगड्डरिग पैी) है। अफवाह, मौसम में अचानक बदलाव, बिजली गूल होना, किसी वीआईपी के आगमन की सूचना या किसी खतरे की आशंका कुछ ही सेकंड में लोगों को एक साथ भागने पर मजबूर कर सकती है। कोलकाता दुर्गा पूजा 2026 में भारी वर्षा और अव्यवस्थित निकासी ने ऐसी ही स्थिति पैदा की। अक्सर लोग वास्तविक खतरे से नहीं, बल्कि दूसरों को भागते देखकर स्वयं भी दौड़ पड़ते हैं। चौथा कारण आयोजनों की कमजोर योजना और जोखिम आकलन की कमी है। कई आयोजनों में आगंतुकों की संभावित संख्या का वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाया जाता। प्रवेश और निकास के समय का विभाजन नहीं किया जाता तथा भीड़ के अलग-अलग प्रवाह को नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं होती। बेंगलुरु में 2025 के आरसीबी विजय समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण की अपर्याप्त तैयारी ने इस समस्या को उजागर किया। पांचवां कारण विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग और आयोजन समिति के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी का अभाव प्रतिक्रिया को धीमा कर देता है। आपातकालीन चिकित्सा सहायता समय पर पहुंच पाने से कई घायल लोगों की जान चली जाती है। इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सबसे पहले क्षमता-आधारित प्रवेश व्यवस्था लागू करनी होगी। बड़े धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में अग्रिम पंजीकरण, डिजिटल पास, समय-आधारित स्लॉट तथा निर्धारित संख्या के बाद प्रवेश रोकने जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। इससे किसी एक समय पर भीड़ का अत्यधिक दबाव नहीं बनेगा। दूसरा, तकनीक आधारित भीड़ निगरानी को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। सीसीटीवी कैमरे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आक), ड्रोन, रियल-टाइम भीड़ घनत्व विश्लेषण और स्वचालित चेतावनी प्रणाली प्रशासन को पहले से संकेत दे सकती है कि किस स्थान पर दबाव बढ़ रहा है।

करोतिरस्कार

उदय कशोर साह

कविता

देशद्रोहियों का सरेआम करो तिरस्कार शरीफों की धरती में वयूँ बसे अत्याचार फिजां में घोल रहा है जो जहर की वयार बन्द हो दरवाजा जो दुश्मन का हो किरदार

राष्ट्र के अहित में खड़ा है समाज में मक्कार आओ मंच पर सबक सिखा दें इसबार बन्द हो बेईमानों के लिये सत्ता की गलियार शरण मत दो ऐसे लोगों को जो हो गद्दार

खोल बैठा है जो अराजकता का व्यापार उसके सर पे हो कानून का कड़ावार बच कर भाग ने पाये रंगमंच का किरदार जो समझे इस देश को बाप की जागीरदार

लड़ना है ससमय इनसे मिलकर मेरे यार रहना बेईमानों से सदैव ही होशियार उनका भी ईलाज हो जो है इसका पैरोकार जागों उठो देश हित में ओ गद्दी के सरकार

राम राज्य का करो स्थापना हो जयकार इन्सानों की बस्ती में हो शांति की सहकार पहचानों काली करतूत जहाँ जुड़ा है तार देशद्रोही है कानून की नजर में ये गुनहगार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

संपादकीय

मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता



ललित गर्ग

लेखक

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिटाने में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्घोषण इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है।

यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक

सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्मसंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। ऐसे सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है। भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाम मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह

ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच

विश्वास की दीवारों को मजबूत करना। बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अनदेखा करना और असंतोष को हिंसा में बदलने देना-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विरोध के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा

अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित को वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें। आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश क्यों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा

सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उतेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रसेवा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो। भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सहअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें नैतिकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब वह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों के जिम्मेदारों का भाव जगाने में योगदान करे।

बुद्धिमत्ता को रूढ़िवादी धारणाओं से परे समझना



डॉ विजय गर्ग

लेखक

बुद्धिमत्ता कोई एक गुण नहीं है, जिसे केवल एक क्षमता के माध्यम से मापा जा सके। इसमें तार्किक सोच, भागीची योग्यता, स्मरण शक्ति, रचनात्मकता, समस्याओं का समाधान, भावनात्मक जागरूकता और अनुभवों से सीखने की क्षमता शामिल हैं।

वैज्ञानिक शोध सामान्यतः इस व्यापक दाये का समर्थन नहीं करता कि महिलाएं या पुरुष हर दृष्टि से एक-दूसरे से अधिक बुद्धिमान होते हैं। दोनों समूहों के व्यक्तियों में काफी अंतर होता है और प्रत्येक व्यक्ति की क्षमताएं अलग-अलग हो सकती हैं।

कुछ अध्ययनों में विशेष मानसिक कार्यों के दौरान औसत अंतर सामने आए हैं, लेकिन इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि कोई एक लिंग स्वाभाविक रूप से अधिक समझदार है। समझदारों में केवल बुद्धिमत्ता ही नहीं, बल्कि सही निर्णय लेना, धैर्य, आत्म-जागरूकता, सहानुभूति और निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों को समझना भी शामिल है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सहानुभूति

एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें महिलाएं कुछ क्षमताओं के मामले में औसतन बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ शोधों के अनुसार महिलाएं चेहरे के भाव पहचानने,

क्या महिलाएं पुरुषों से अधिक समझदार होती हैं? यह सवाल पीढ़ियों से लोगों की दिलचस्पी का विषय रहा है। आमतौर पर महिलाओं को भावनात्मक रूप से समझदार, धैर्यवान, संवेदनशील और एक साथ कई जिम्मेदारियाँ निभाने में सक्षम माना जाता है। दूसरी ओर, पुरुषों को अक्सर तार्किक, विश्लेषण करने वाला और निर्णय लेने में दृढ़ समझा जाता है। लेकिन इन धारणाओं में कितनी सच्चाई है? क्या महिलाओं की समझदारी केवल एक सामाजिक धारणा है या विज्ञान भी इस विचार का समर्थन करता है कि महिलाएँ लोगों और परिस्थितियों को समझने में कुछ विशिष्ट क्षमताएँ रखती हैं?

इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए बुद्धिमत्ता, भावनात्मक समझ, निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक अनुभवों के प्रभाव का संतुलित दृष्टिकोण से विश्लेषण करना आवश्यक है।

चर्चित हनन पर उतारू घिनौना गोदी मीडिया

चलते पूरे विश्व में 'गोदी मीडिया' के नाम से बदनाम हो चुका है। इतना ही नहीं बल्कि सरकार या सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले पत्रकारों को उत्पीड़न, धमकियों और शारीरिक हिंसा का भी सामना करना पड़ता है। अनेक मामलों में आलोचनात्मक रिपोर्टों को दबाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों, मानहानि और देशद्रोह से जुड़े कड़े कानूनों का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। वैश्विक विश्लेषक मानते हैं कि भारतीय मुख्यधारा के न्यूज चैनलों पर गरीबों, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे गंभीर और जनहित के मुद्दों के बजाय सनसनीखेज खबरों, मंदिर मस्जिद,हिन्दू मुस्लिम जैसे राजनीतिक शूर-शराबे वाली बहसों को तरजीह दी जाती है। वैश्विक स्तर पर बीबीसी या न्यूवॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया संस्थान जहाँ अपनी खोजी और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं वहीं इसके विपरीत, भारतीय मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सरकारी विज्ञापनों और आर्थिक लाभ के दबाव में आकर केवल 'प्रेस रिलीज' और सरकार के एजेंडे को ही आगे बढ़ाता हुआ दिखाई देता है। यही वजह है कि जहाँ एक ओर कथित मुख्यधारा के टीवी चैनल और अनेक बड़े अखबारों की साख अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गिरी है वहीं आज के दौर में

करने और विभिन्न कार्यों के बीच संतुलन बनाने का अनुभव भी प्राप्त करती हैं।

लेकिन इन क्षमताओं को महिलाओं के जन्मजात गुण नहीं मानना चाहिए। ये अक्सर सामाजिक भूमिकाओं और अवसरों के माध्यम से विकसित होती हैं। यदि पुरुष भी ऐसी जिम्मेदारियाँ निभाएँ, तो वे भी समान कौशल विकसित कर सकते हैं।

ऐतिहासिक रूप से अनेक स्थानों पर महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्रों में असमान अवसरों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद उन्होंने विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य, प्रशासन, उद्योग और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी उपलब्धियाँ बताती हैं कि किसी एक लिंग को श्रेष्ठता से अधिक महत्वपूर्ण समान अवसर हैं।

निर्णय लेना: तर्क या अंतर्ज्ञान?

एक प्रचलित धारणा है कि महिलाएँ भावनाओं के आधार पर और पुरुष तर्क के आधार पर निर्णय लेते हैं। यह विभाजन भ्रामक है। महिलाएँ और पुरुष, दोनों निर्णय लेते समय भावनाओं, तर्क, अनुभव और अंतर्ज्ञान का उपयोग करते हैं।

भावनाएँ कभी-कभी निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन वे जोखिमों, संबंधों और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के बारे में उपयोगी जानकारी भी देती हैं। अंतर्ज्ञान अक्सर

लंबे अनुभव से विकसित होता है। एक शिक्षक विद्यार्थी की कठिनाई को जल्दी पहचान सकता है, डॉक्टर बीमारी के सूक्ष्म लक्षणों को समझ सकता है और माता-पिता अपने बच्चे की पेशानी महसूस कर सकते हैं। ये क्षमताएँ अक्सर अनुभव और ज्ञान का परिणाम होती हैं, न कि किसी एक लिंग की विशेषता।

अच्छे निर्णय लेने के लिए तथ्यों की जाँच, धारणाओं पर प्रश्न उठाना, अनिश्चितता को स्वीकार करना और आवश्यकता पड़ने पर अपनी राय बदलना जरूरी है। इन गुणों को कोई भी व्यक्ति विकसित कर सकता है।

क्या महिलाओं को अधिक समझदार कहा जा सकता है?

केवल महिला या पुरुष होने के आधार पर किसी व्यक्ति की समझदारी का निर्णय नहीं किया जा सकता। परिपक्वता, ज्ञान, भावनाओं पर नियंत्रण, नैतिक मूल्य और जीवन के अनुभव समझदारी से लिए गए निर्णयों के अधिक विश्वसनीय संकेतक हैं।

कुछ महिलाएँ अत्यंत संवेदनशील और सूझबूझ वाली कर सकती हैं, जबकि कुछ को विशेष परिस्थितियों में निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। यही बात पुरुषों पर भी लागू होती है। सामान्यीकरण व्यक्तिगत स्वभाव और क्षमताओं की विविधता को नजरअंदाज कर देता है। महिलाओं को स्वाभाविक रूप से सभी की भावनाओं और जिम्मेदारियों को



निर्मल रानी

लेखिका

भारतीय मीडिया की साख और स्वतंत्रता की स्थिति वैश्विक स्तर पर अत्यंत चिंताजनक है। 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' द्वारा जारी 'वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2026' में भारत 180 देशों की सूची में 157वें स्थान पर खिसक गया है, जो कि 2025 में 151वें स्थान पर था। प्रेस स्वतंत्रता के मामले में यह स्थिति 'बेहद गंभीर' श्रेणी में आती है। पड़ोसी देशों नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश की रैंकिंग भी भारत से बेहतर है यहाँ तक कि पाकिस्तान भी 153वें पर रहकर भारत से बेहतर स्थिति में है। इसके कई मुख्य कारण हैं। एक तो यह कि मीडिया का मालिकाना हक अर्थात मीडिया घरानों का स्वामित्व कुछ निम्ने-चुने बड़े उद्योगपतियों के हाथों में केंद्रित है। इसके साथ ही कथित मुख्यधारा का यही मीडिया सत्ता पक्ष के प्रति झुकाव के

मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है।

ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच

भावनात्मक संकेतों को समझने और बिना बोले व्यक्त किए गए संदेशों की व्याख्या करने वाले कुछ कार्यों की व्याख्या करने में सहायता करती हैं। हालाँकि, ये अंतर प्रत्येक व्यक्ति में नहीं पाए जाते और महिलाओं तथा पुरुषों की क्षमताओं में काफी समानता भी होती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता व्यक्ति को अपनी भावनाएँ समझने, दूसरों की भावनाओं को पहचानने और उचित व्यवहार करने में सहायता करती हैं। परिवार, कार्यस्थल और समाज में यह क्षमता गलतफहमियाँ दूर करने, रिश्तों को मजबूत बनाने और विवादों को सुलझाने में सहायक होती है।

फिर भी, सहानुभूति केवल महिलाओं का गुण नहीं है। पुरुष भी उतने ही देखभाल करने वाले, भावनात्मक रूप से संवेदनशील और

सहयोगी हो सकते हैं। पारिवारिक वातावरण, शिक्षा, व्यक्तिगत अनुभव और सांस्कृतिक अपेक्षाएँ इस बात को प्रभावित करती हैं कि व्यक्ति भावनात्मक क्षमताओं का विकास किस प्रकार करता है।

सामाजिक अनुभवों का प्रभाव

कई समाजों में महिलाएँ परंपरागत रूप से बच्चों की देखभाल, घरेलू प्रबंधन और पारिवारिक संबंधों की बड़ी जिम्मेदारियाँ निभाती रही हैं। इन जिम्मेदारियों से योजना बनाने, धैर्य रखने, आपसी सहमति स्थापित करने और व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के कौशल विकसित हो सकते हैं। जो महिलाएँ नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों, दोनों को संभालती हैं, वे प्राथमिकताएँ निर्धारित

भारत के अनेक स्वतंत्र लेखकों व डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म और ईमानदार खोजी व सत्ता से सवाल पूछने पर राजनीतिक शूर-शराबे वाली बहसों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए सराहा भी जा रहा है। मुख्यधारा के इसी भारतीय मीडिया का हिस्सा कहे जाने वाले एबीपी नेटवर्क के डिजिटल प्लेटफॉर्म ने पिछले दिनों एक ऐसा झूठा व घिनौना प्रसारण किया जिससे 'गोदी मीडिया' का चरित्र एक बार फिर बेनकाब हो गया। सत्ता से सवाल पूछने वाली भारत की एक जानी मानी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर से जुड़ी एक भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत खबर 'एबीपी न्यूज' पर प्रकाशित की गई। इस रिपोर्ट में नेहा का नाम एक हॉस्टल में चलने

वाले कथित सेक्स रैकेट से जोड़ने जैसी बात सामने आई थी। इस खबर के प्रकाशित होते ही नेहा सिंह राठौर ने आरोप लगाया कि 'एबीपी न्यूज चैनल उन्हें दुर्भावनापूर्ण तरीके से 'वैश्य' और 'कॉल गर्ल' के रूप में चित्रित करना चाहता है। उन्होंने इसे सरकार से सवाल पूछने पर उनकी छवि धूमिल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की 'सुपारी पत्रकारिता' बताया। हालाँकि विवाद बढ़ने और अलोचनाएँ होने के बाद, एबीपी न्यूज ने अपनी गलती स्वीकार की। 17 अक्टूबर 2026 को एक चैनल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस त्रुटिपूर्ण प्रसारण पर खेद व्यक्त किया और सार्वजनिक रूप से माफी माँगी। चैनल ने स्पष्ट किया कि यह एक तथ्यात्मक

अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनभावनाओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय सकारात्मक परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित को वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें। आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाया जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकतरफा सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश क्यों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा

महिलाओं की समझदारी: धारणा या वैज्ञानिक तथ्य?

करने और विभिन्न कार्यों के बीच संतुलन बनाने का अनुभव भी प्राप्त करती हैं।

लेकिन इन क्षमताओं को महिलाओं के जन्मजात गुण नहीं मानना चाहिए। ये अक्सर सामाजिक भूमिकाओं और अवसरों के माध्यम से विकसित होती हैं। यदि पुरुष भी ऐसी जिम्मेदारियाँ निभाएँ, तो वे भी समान कौशल विकसित कर सकते हैं।

ऐतिहासिक रूप से अनेक स्थानों पर महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के क्षेत्रों में असमान अवसरों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद उन्होंने विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य, प्रशासन, उद्योग और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी उपलब्धियाँ बताती हैं कि किसी एक लिंग को श्रेष्ठता से अधिक महत्वपूर्ण समान अवसर हैं।

लंबे अनुभव से विकसित होता है। एक शिक्षक विद्यार्थी की कठिनाई को जल्दी पहचान सकता है, डॉक्टर बीमारी के सूक्ष्म लक्षणों को समझ सकता है और माता-पिता अपने बच्चे की पेशानी महसूस कर सकते हैं। ये क्षमताएँ अक्सर अनुभव और ज्ञान का परिणाम होती हैं, न कि किसी एक लिंग की विशेषता।

अच्छे निर्णय लेने के लिए तथ्यों की जाँच, धारणाओं पर प्रश्न उठाना, अनिश्चितता को स्वीकार करना और आवश्यकता पड़ने पर अपनी राय बदलना जरूरी है। इन गुणों को कोई भी व्यक्ति विकसित कर सकता है।

क्या महिलाओं को अधिक समझदार कहा जा सकता है?

केवल महिला या पुरुष होने के आधार पर किसी व्यक्ति की समझदारी का निर्णय नहीं किया जा सकता। परिपक्वता, ज्ञान, भावनाओं पर नियंत्रण, नैतिक मूल्य और जीवन के अनुभव समझदारी से लिए गए निर्णयों के अधिक विश्वसनीय संकेतक हैं।

कुछ महिलाएँ अत्यंत संवेदनशील और सूझबूझ वाली कर सकती हैं, जबकि कुछ को विशेष परिस्थितियों में निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। यही बात पुरुषों पर भी लागू होती है। सामान्यीकरण व्यक्तिगत स्वभाव और क्षमताओं की विविधता को नजरअंदाज कर देता है। महिलाओं को स्वाभाविक रूप से सभी की भावनाओं और जिम्मेदारियों को

पुलिस स्मृति दिवस पर सीएम धामी ने की आट बड़ी घोषणाएं, 1,600 पदों पर जल्द होगी भर्ती

देश की आंतरिक सुरक्षा में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की अहम भूमिका, कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए 154 जवानों को दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया/ओ.पी. उनियाल

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस लाइन, देहरादून में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन जवानों का त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक वर्ष में देशभर में 154 जवानों ने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। इनमें उत्तराखंड पुलिस के उपनिरीक्षक



स्वर्गीय विनोद कुमार भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि शहीद किसी एक परिवार या राज्य के नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव होते हैं। उनके बलिदान को हमेशा सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नई दिल्ली में राष्ट्र को समर्पित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक वीर जवानों के त्याग, साहस और

राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने पुलिस व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए आठ महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने उत्तराखंड पुलिस की विभिन्न इकाइयों में लगभग 1,600 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की घोषणा की। इसके साथ ही थानों और चौकियों में कर्मचारियों की आवश्यकता के



अनुसार पदों की संख्या एवं व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। विवेचकों को आधुनिक जांच किट उपलब्ध कराने और थानों के आवश्यक कार्यों के लिए वार्षिक बजट चार करोड़ रुपये से बढ़ाकर आठ करोड़ रुपये करने की भी घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी पुलिस आधुनिक विद्यालयों को बेहतर बनाने, देहरादून में

पुलिसकर्मियों के लिए आवागमन के दौरान ठहरने की सुविधा वाला पारगमन छात्रावास तथा बहुमंजिला बैरक बनवाने और देहरादून स्थित पुलिस अस्पताल का उच्चीकरण करने से दूर रहकर नागरिकों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के बीच पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारियां



ने कहा कि खाकी वर्दी केवल एक पोशाक नहीं, बल्कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है। पुलिसकर्मी त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी अपने परिवारों से दूर रहकर नागरिकों की सुरक्षा में जुटे रहते हैं। उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के बीच पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारियां

और भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में उनके समर्पण और सेवाभाव की जितनी सराहना की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नशा और साइबर अपराध गंभीर चुनौतियों के रूप में सामने आए हैं। नशे की रोकथाम के लिए प्रदेश में त्रिसरीय एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स गठित की गई है। नशामुक्त उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने

के लिए नशा तस्करो के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और तस्करी के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के दौर में अपराध के तरीके भी तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में पुलिस को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय के माध्यम से साइबर अपराधियों से दो कदम आगे रहना होगा। उन्होंने बताया कि लगभग 32 करोड़ रुपये की लागत से राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र का निर्माण कार्य प्रगति पर है। महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रत्येक थाने में महिला सहायता डेस्क के अंतर्गत त्वरित कार्रवाई दल गठित किया गया है।

समाजवादी पार्टी प्रत्याशी गोल्डी भैया ने गांव-गांव पहुंचकर किया जनसंपर्क, लोगों से की मुलाकात

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र-83 से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी महेश चंद्र शर्मा उर्फ गोल्डी भैया ने क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान वह पेंडा गांव स्थित चतुर्भुज मंदिर के भंडारे, अड़ौंग के भंडारे, नगला देवियां और राधाकुंड पहुंचे। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया।



जनसंपर्क के दौरान गोल्डी भैया ने क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, बुजुर्गों और ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा पर चर्चा करते हुए पार्टी को मजबूत करने की बात कही। साथ ही अखिलेश यादव को पुनः उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प को दोहराया। महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि जनता के बीच रहकर

उनकी समस्याओं को सुनना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर लोगों से संवाद करना और उनकी अपेक्षाओं को समझना जरूरी है। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों

ग्राम पाली में श्मशान भूमि या भेड़-बकरियों का तबेला? जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद के विकासखंड चौमुंहा के ग्राम पाली में श्मशान भूमि की बदहाल स्थिति सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार, श्मशान भूमि की बाड़झौवाल के अंदर भेड़-बकरियां रखी जा रही हैं, जिसके चलते परिसर के गेट से अंदर तक गंदगी का अंजार लगा हुआ है। वहीं, परिसर में लगे पेड़-पौधों की बिजली बैठ ने वाली सीटों की स्थिति भी खराब बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि ग्राम प्रधान द्वारा बार-बार कहने के बावजूद भेड़-बकरी

पालक श्मशान भूमि के अंदर पशुओं को रखना बंद नहीं कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि सार्वजनिक उपयोग की इस भूमि की देखरेख की जिम्मेदारी आखिर कौन निभाएगा? सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब श्मशान भूमि की बाड़झौवाल के अंदर ही भेड़-बकरियों का तबेला बना हुआ है, तो जिम्मेदार शासन-प्रशासन के अधिकारी इस ओर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं? अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी इस मामले का सज्ञान लेकर श्मशान भूमि को अतिक्रमण और गंदगी से मुक्त कराने के लिए क्या कार्रवाई करते हैं।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को भावमीनी श्रद्धांजलि

अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद पुलिसकर्मियों के साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को किया याद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को संतकबीरनगर पुलिस लाइन में शहीद पुलिसकर्मियों के सम्मान में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद जवानों के अदम्य साहस, वीरता, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्रा और क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह



उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया। पुलिस स्मृति दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पुलिसकर्मियों की

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अनेक पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। उनका सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कर्तव्यपथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपरा का आधार है।

शहीद पुलिसकर्मियों का जीवन प्रत्येक पुलिसकर्मी को कठिन परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। पुलिस स्मृति दिवस प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार और निष्ठावान रहने की प्रेरणा देता है। यह दिवस उन वीर जवानों को याद करने का अवसर है, जिन्होंने नागरिकों की सुरक्षा, समाज में शांति बनाए रखने और कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। उनके त्याग से पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपरा और अधिक मजबूत हुई है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों से अनुशासन, ईमानदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा, सेवा और सहायता पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल होनी चाहिए।

मानव जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है भागवत कथा: बालयोगी



मथुरा/बलदेव (वेलकम इंडिया)। गोपाल फार्म हाउस कंजौली घाट पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा को सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। व्यासपीठ से प्रवचन करते हुए राष्ट्रीय संत कॉर्णिस बालयोगी ब्रह्मानंद जी महाराज ने अपने प्रवचनों के माध्यम से भक्तों को धर्म, भक्ति और मानव जीवन के मूल्यों का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथाकेवल एक धार्मिक आराधना नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति से व्यक्ति के जीवन के सभी दुख दूर होते हैं और मन को शांति प्राप्त होती है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की बाल

लीलाओं और भक्तों के प्रति उनके प्रेम का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों को अध्यात्म और संस्कारों से जुड़ने की आवश्यकता है। भागवत कथा मनुष्य को अछे कर्म करने, सत्य के मार्ग पर चलने और समाज में प्रेम व सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देती है। कथा में श्रीकृष्ण जन्म की कथा एवं नंदोत्सव का वर्णन किया गया। नंदोत्सव में जमकर मेवा मिष्ठान फल लुटायें गये। आयोजन सुप्रिय छैकर, राजमोपाल सुरेश द्वारा कराया जा रहा है। इस अवसर पर भागवत प्रवक्ता आचार्य मनीष गार्गवर्,युवा समजसेवी सुजीव वर्मा, रवेन्द्र सिंह ने भी राष्ट्रीय संत बालयोगी जी महाराज का सम्मान किया।

शिक्षक संकुल बैठक में निपुण भारत, डिजिटल शिक्षण और स्वच्छता प्रबंधन पर किया गया मंथन

सेमरियावां की 12 न्याय पंचायतों में हुई मासिक बैठकें, बच्चों की शैक्षिक दक्षता बढ़ाने और सामुदायिक सहभागिता मजबूत करने पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह के निर्देश पर बुधवार को विकास खंड सेमरियावां की सभी 12 न्याय पंचायतों में शिक्षक संकुल की मासिक बैठकें आयोजित की गईं। खंड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में संपन्न इन बैठकों में निपुण भारत मिशन, विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता सुधार, बच्चों की नियमित उपस्थिति, डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग, स्वच्छता प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को निर्धारित एजेंडे के अनुरूप विद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया। न्याय पंचायत

सेमरियावां में आयोजित बैठक में नोडल संकुल शिक्षक जफ़ीर अली ने निर्धारित एजेंडे की जानकारी देते हुए कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रुचिकर और परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया। उन्होंने क्रियाशील बालवाटिका के संचालन, कैचअप रणनीति के माध्यम से बच्चों की सीखने की कमियों को दूर करने और डिजिटल संसाधनों के इस्तेमाल से शिक्षण प्रक्रिया को आकर्षक बनाने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों में आलोचनात्मक सोच, मौलिक चिंतन और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए गतिविधि आधारित शिक्षण, समूह कार्य और संवादात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना जरूरी है। शिक्षकों को बच्चों की सीखने की प्रगति पर नियमित नजर रखने और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण पद्धतियों में सुधार करने के लिए भी



प्रेरित किया गया। बैठक में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। शिक्षकों से कहा गया कि वे अभिभावकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखें और विद्यालय से अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए जागरूक करें। इसके साथ ही

विद्यालयों में अभिभावकों और समुदाय की सहभागिता बढ़ाकर शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने की अपील की गई। बैठक में यू-डायस प्लस (एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली) पोर्टल पर विद्यालय, विद्यार्थी और शिक्षक प्रोफाइल से संचोदित आंकड़ों को सही एवं अद्यतन रखने

के महत्व पर भी चर्चा हुई। शिक्षकों को निर्दिशित किया गया कि पोर्टल पर दर्ज सूचनाओं की सावधानीपूर्वक जांच करें और सभी आवश्यक विवरणों को निर्धारित समय पर अद्यतन करें। इससे विद्यालयों से संबंधित प्रमाणिक आंकड़े उपलब्ध कराने और शैक्षिक योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। बैठक

में विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत कचरा और इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित निस्तारण के प्रति बच्चों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। जफ़ीर अली ने बताया कि बच्चों को सूखे, गोलें, सैनिटरी और घरेलू खतरनाक कचरे को अलग-अलग निर्धारित डस्टबिन में डालने की जानकारी व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल विद्यालय परिसर की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में इसे दैनिक जीवन की आदत के रूप में विकसित करना भी आवश्यक है। शिक्षकों से विद्यालय परिसर को साफ-सुथरा रखने, कचरे का उचित वर्गीकरण करने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने की अपील की गई। इस क्रम में 28 अक्टूबर 2026 को प्रातःकालीन सभा में विशेष प्रश्नोत्तरी आयोजित करने की जानकारी भी दी

गई। प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी, ताकि वे इन विषयों को व्यवहार में अपना सकें। बैठकों का उद्देश्य शिक्षक संकुल के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों की समीक्षा करना, शिक्षकों के बीच उपयोगी शिक्षण पद्धतियों और कार्ययोजनाओं का आदान-प्रदान करना तथा निर्धारित शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत बनाना रहा। शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि वे बैठक में हुई चर्चा और दिए गए सुझावों को अपने-अपने विद्यालयों में लागू करें और बच्चों की सीखने की उपलब्धियों में निरंतर सुधार लाने का प्रयास करें। बैठक में विद्यालय और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, अभिभावकों की भागीदारी बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को स्वच्छता, अनुशासन और जिम्मेदारी

के प्रति जागरूक बनाने पर भी जोर दिया गया। सेमरियावां, वाघनगर, ऊसर्रा शहीद, कानपारा, दुधारा, तिलका, बजहरा और परसा सहित विभिन्न न्याय पंचायतों की बैठकों में शिक्षकों और संबंधित पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस अवसर पर अब्दुलहीम, मनोज कुमार, फूल चंद, आशीष कुमार गौतम, राजमो, कृष्ण राव, सूचित कुमार जायसवाल, सुहेल अहमद, अब्दुलअमिन, मुबारक हुसैन, जरार अहमद, अवधेश कुमार, खुशींद चंद, ज्ञान चंद और तनवीर फातमा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षक संकुल की इन बैठकों के माध्यम से शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, डिजिटल शिक्षण को बढ़ावा देने, बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में शिक्षकों को एक साझा कार्ययोजना के अनुरूप आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

सेहरामऊ स्टेशन पर पांच सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन

एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव और यात्री ट्रेनों के विस्तार की मांग, रेलमंत्री को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पीलीभीत-मैलानी रेल प्रखंड के सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर बुधवार को जनहित से जुड़ी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे से लंबे समय से लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार कर उन्हें पूरा करने की मांग उठाई। इस दौरान रेलमंत्री को संबोधित ज्ञापन स्टेशन मास्टर को सौंपकर रेल सुविधाओं में विस्तार की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र की बड़ी जरूरत है। आसपास के गांवों के लोगों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने के लिए एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव और पैसेंजर ट्रेनों का विस्तार जरूरी है। इसके साथ ही स्टेशन के नाम को लेकर



भी स्थानीय लोगों ने अपनी मांग प्रमुखता से रखी। ज्ञापन में सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर जोगराजपुर रेलवे स्टेशन करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि स्टेशन जोगराजपुर क्षेत्र में स्थित है, जबकि सेहरामऊ उत्तरी गांव यहां से करीब पांच से छह किलोमीटर दूर है।

ऐसे में स्टेशन का नाम जोगराजपुर किए जाने से स्थानीय पहचान को उचित स्थान मिल सकेगा। दूसरी मांग गोरखपुर जंक्शन से इज्जतनगर जंक्शन तक चलने वाली ट्रेन संख्या 15009/15010 का सेहरामऊ स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित कराने की है। तीसरी मांग कासगंज जंक्शन से ऐशबाग

जंक्शन तक चलने वाली ट्रेन संख्या 15312/15311 को भी यहां ठहराव देने की उठाई गई। चौथी मांग मैलानी जंक्शन से पीलीभीत जंक्शन तक सुबह 5:30 बजे चलने वाली ट्रेन संख्या 55358 का बरेली जंक्शन तक विस्तार करने की है। वहीं, डालीगंज से शाम छह बजे मैलानी तक चलने वाली ट्रेन

स्टेशन पर ठहराव को बताया जरूरी

प्रदर्शन में शामिल प्रभात मिश्रा, दिनेश श्रीवास्तव, डॉ. मोहित, मनीष त्रिपाठी और पिंटू मास्टर ने कहा कि सेहरामऊ स्टेशन इज्जतनगर मंडल का अंतिम और लखनऊ मंडल की सीमा से जुड़ा महत्वपूर्ण स्टेशन है। यहां एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव होने से क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने रेलवे प्रशासन से मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

संख्या 55087/55088 का पीलीभीत तक विस्तार कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। पांचवीं मांग डालीगंज, सीतापुर, लखीमपुर और मैलानी होते हुए सुबह आठ बजे पीलीभीत तक दूसरी पैसेंजर ट्रेन चलाने की है।

मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान दो दिन के नवजात की मौत, डीजे के शोर पर परिजनों ने उठाए सवाल

बदनी/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। जिले के बदनी नगर पंचायत में दुर्गाप्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान दो दिन के नवजात की मौत हो गई। घटना वार्ड नंबर नौ स्थित रामलीला मैदान के पास की है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि जुलूस के दौरान डीजे की तेज आवाज और कंपन के बीच बच्चे की तबीयत बिगड़ गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। हालांकि, नवजात की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों के मुताबिक, बच्चे का जन्म 18 अक्टूबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) बदनी में हुआ था। 19 अक्टूबर को जच्चा और बच्चा स्वस्थ हालत में घर लौट आए थे। बच्चे के पिता जावेद का आरोप है कि बीती रात करीब 11:30 बजे उनके घर के सामने से दुर्गा प्रतिमा विसर्जन का जुलूस गुजर रहा था। इस दौरान डीजे पर तेज आवाज में संगीत बजाया जा रहा था। बच्चे के पिता जावेद का दावा है कि जुलूस के दौरान डीजे बजाने को लेकर आपसी प्रतिसर्षाओं हो रही थी, जिसके कारण आवाज काफी तेज थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तेज आवाज और कंपन के चलते उनके घर के बाहर का छज्जा भी गिर

गया। परिजनों के अनुसार, तेज शोर के बीच नवजात लगातार रो रहा था। इसके बाद उसकी सांसें थम गईं। घटना से परिवार में मातम पसर गया। हालांकि, डीजे की आवाज और नवजात की मौत के बीच संबंध की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने पर रात करीब 2:15 बजे शोहरतगढ़ के क्षेत्राधिकारी (सीओ) मयंक द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया। परिजनों ने इस मामले में ढ़बरुआ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने डीजे की तेज आवाज पर नियंत्रण को लेकर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि तेज आवाज पर रोक के बावजूद जुलूसों में डीजे के शोर पर प्रभावी अंकुश लगाने की जरूरत है। फिलहाल नवजात की मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह का पता चल सकेगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धनाराघाट पर शारदा नदी में आज से शुरू होगा नाव संचालन, लोगों को मिलेगी सहत

नाव सेवा शुरूहोने से नदी पार के ग्रामीणों का आवागमन होगा आसान, रास्ता दुरुस्त कराने में जुटा पीडब्ल्यूडी

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। शारदा नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। हजारा क्षेत्र के धनाराघाट पर शारदा नदी में बृहस्पतिवार, 22 अक्टूबर से नाव का संचालन शुरू हो जायेगा। इससे नदी पार आवागमन करने वाले ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नाव सेवा शुरू होने से लोगों को नदी पार करने में होने वाली परेशानियों से काफी हद तक निजात मिल सकेगी। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के धनाराघाट पर नाव संचालन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। पीडब्ल्यूडी विभाग पीलीभीत के अवर अभियंता साधु नाथ कुमार ने बताया कि धनाराघाट तक पहुंचने वाले रास्ते को दुरुस्त कराया जा रहा है। रास्ते को बृहस्पतिवार तक सही करा दिया जाएगा। साथ ही नाव का संचालन शुरू कर दिया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों



को आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। शारदा नदी के दोनों किनारों पर बसे गांवों के लोगों के लिए नदी पार करना रोजमर्रा की जरूरत है। ग्रामीणों को जरूरी कामकाज, बाजार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन करना पड़ता है। नाव की सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर लोगों को अतिरिक्त दूरी तय करने और वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेने की परेशानी उठानी पड़ती है। इससे

समय और धन दोनों खर्च होते हैं। धनाराघाट पर नाव का संचालन शुरू होने से हजारा क्षेत्र समेत नदी के दोनों ओर रहने वाले हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। खासकर उन ग्रामीणों को राहत मिलेगी, जिन्हें रोजाना किसी न किसी काम से नदी पार आना-जाना होता है। नाव संचालन शुरू कराने के लिए धनाराघाट तक पहुंचने वाले मार्ग को दुरुस्त करना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए

पीडब्ल्यूडी विभाग रास्ते को ठीक कराने में जुटा है। विभागीय अवर अभियंता के अनुसार, मार्ग दुरुस्त होते ही बृहस्पतिवार से नाव सेवा शुरू करा दी जाएगी। अब क्षेत्रवासियों को नाव संचालन शुरू होने का इंतजार है। यदि तय कार्यक्रम के अनुसार सेवा शुरू हो जाती है, तो शारदा नदी के दोनों किनारों के ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सहूलियत मिलेगी और उनकी रोजमर्रा की मुश्किलें कम होंगी।

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिले में धान खरीद व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैट) ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने की चेतावनी दी है। संगठन ने सभी संबंधित राइस मिलों में धान के स्टॉक की निष्पक्ष जांच करने, सरकारी और निजी धान का ब्योरा स्पष्ट करने तथा खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में मंडी सचिव और सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित करने की मांग उठाई गई है। संगठन ने मांग की कि जिले की सभी संबंधित राइस मिलों में उपलब्ध धान के स्टॉक का सत्यापन कराया जाए। प्रत्येक मिल को सरकारी खरीद के तहत आवंटित धान का विवरण भी सार्वजनिक किया जाए, ताकि खरीद व्यवस्था में किसी तरह की गड़बड़ी की आशंका दूर हो सके



और किसानों को अपनी उजड़ बेचने में परेशानी न उठानी पड़े। जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी ने कहा कि किसानों की मेहनत और उनकी फसल के मूल्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि धान खरीद में अनियमितताएं सामने आती हैं तो निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मंडल अध्यक्ष सतवंदर सिंह कहलॉ ने भी धान खरीद केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त

कर किसानों की समस्याओं का समाधान कराने की मांग की। जिला मीडिया प्रभारी गुरजीत सिंह विर्क ने धर्मकांटे के नाम पर प्रति विक्टल एक किलोग्राम धान की कथित कटौती, सी-डी के नाम पर कटौती और मॉस्स्वर मशीन से नमी की जांच के दौरान किसानों को होने वाली परेशानी का मुद्दा उठाया। उन्होंने इन शिकायतों की जांच करारक वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और अनियमितता मिलने

पर कार्रवाई करने की मांग की। भाकियू टिकैट ने पांच सदस्यीय कमेटी के माध्यम से राइस मिलों के स्टॉक, खरीद अभिलेखों और किसानों से धान खरीदने की प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। संगठन ने जांच रिपोर्ट की एक प्रति उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो जिलाध्यक्ष गुरदीप सिंह गोगी के नेतृत्व में संबंधित अधिकारियों का अर्निश्चितकालीन घेराव किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश सचिव वेदप्रकाश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्यारिलाल वर्मा, वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान, मुन्ना गौतम, दशरथ ठाकुर, बीरपाल राजपूत, महेंद्र कुमार कर्नौजिया, अनिल सिंह चौहान, निर्मल भोजवाला, रूपलाल, नेमचंद वर्मा, नरेश मिश्रा, शकावत, सतनाम सिंह, महेंद्र कुमार और ओमकार गंगवार सहित अन्य किसान नेता मौजूद रहे।

जनगणना-2027 को लेकर जागरूकता अभियान शुरू, जिलाधिकारी ने वाहन को दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना को लेकर जिले में जनजागरूकता अभियान शुरू हो गया है। जनगणना के व्यापक प्रचार-प्रसार और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने जनपदवासियों से जनगणना कार्य में सहयोग करने की अपील की। जिलाधिकारी ने जनगणना-2027 के निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगी। इस अवधि में परिवारों को इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर मिलेगा। स्व-गणना के जरिए नागरिक स्वयं निर्धारित प्रक्रिया



के अनुसार अपने परिवार से संबंधित जानकारी उपलब्ध करा सकेगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनगणना का कार्य किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक प्रत्येक घर पहुंचकर परिवार के सदस्यों की गणना करेंगे और निर्धारित प्रश्नों के माध्यम से आवश्यक जानकारियां एकत्र करेंगे। जनगणना की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने के लिए पांच जनवरी से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण राउंड भी संचालित किया जाएगा। डीएम ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम है।

इसके माध्यम से देश की जनसंख्या से संबंधित आवश्यक आंकड़े जुटाए जाते हैं, जो विभिन्न योजनाओं के निर्माण और विकास संबंधी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में जनगणना की प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों में अपील की कि जनगणना कार्य में लगे प्रणकों और पर्ववैशकों को पूरा सहयोग दें। उनके द्वारा मांगी गई आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि निर्धारित समयसीमा में जनगणना का कार्य संपन्न कराया जा सके।



जिलाधिकारी के निर्देशन पर पहली बार ब्लॉक भोजपुर के गांव तलहेटा में आयोजित हुआ किसान दिवस

किसानों की समस्याओं का करें त्वरित निस्तारण: जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़

- प्रशासन का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को समझना और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है : जिलाधिकारी
- धरनारत किसानों ने जिलाधिकारी से संवाद के पश्चात समाप्त किया धरना

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। किसानों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक नई पहल करते हुए पहली बार किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार के स्थान पर ब्लॉक भोजपुर के ग्राम तलहेटा की चौपाल पर किया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस किसान दिवस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनीं और उनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस पहल से पूर्व से धरने पर बैठे किसानों की समस्याओं पर भी संवाद हुआ, जिसके बाद जिलाधिकारी



ने किसानों का धरना समाप्त कराया। किसानों ने इस पहल के लिए जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं उप कृषि निदेशक का आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'किसानों के बीच, किसानों के साथ, किसानों की बात' के मूल मंत्र के साथ इस पहल को

अगले माह भी दोहराया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को आगामी किसान दिवस का आयोजन भी किसी ग्राम में ही करने के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक किसान सीधे जिला प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं रख सकें। किसान दिवस में सिंचाई, विद्युत, खाद-बीज, राजस्व, गन्ना भुगतान सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं का संज्ञान लेकर उनके



निस्तारण की कार्यवाई करने के निर्देश दिए।

एक सप्ताह में शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर एक सप्ताह के भीतर शिकायतकर्ता से संपर्क स्थापित किया जाए और समस्या का गुणवत्तापूर्ण

निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही न बरतने तथा किसानों को कार्यवाई से अवगत कराने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने विगत किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों की निस्तारण आख्या प्रस्तुत नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध चेतावनी जारी करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की



गन्ना किसानों के भुगतान को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश

जिलाधिकारी ने चीनी मिल द्वारा किसानों के ब्याज की बकाया धनराशि 21.65 करोड़ रुपये का भुगतान दीपावली से पहले सुनिश्चित कराने के लिए जिला गन्ना अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि किसानों को समय से उनका बकाया भुगतान मिल सके।

विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर जताई नाराजगी

किसान दिवस के दौरान विद्युत विभाग से संबंधित समस्याओं के विषय में अधिशासी अभियंता द्वारा समुचित जानकारी न दिए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग से संबंधित शिकायतों की पूरी जानकारी रखें तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक श्री आशीष कुमार सिंह सहित कृषि, उद्यान, सिंचाई, विद्युत, राजस्व, पशुपालन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम

के अंत में श्री विजेंद्र सिंह चौधरी ने उपस्थित अधिकारियों एवं किसान बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्राम स्तर पर किसान दिवस आयोजित करने की इस पहल को किसानों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने

तथा समस्याओं के त्वरित निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जनपद का नाम रोशन करने पर मोदीनगर की बेटी सिमरन और मुरादनगर निवासी प्रदीप को दी शुभकामनाएं।

किसान दिवस के दौरान जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने एशियन पैरा गैम्स-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद गाजियाबाद का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाली मोदीनगर की बेटी सिमरन शर्मा और मुरादनगर निवासी प्रदीप कुमार को हार्दिक बधाई दी। जापान में आयोजित प्रतियोगिता में सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ 24.80 सेकंड में पूरी कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, प्रदीप कुमार ने एफ-54 वर्ग की भाला फेंक स्पर्धा में 27.45 मीटर का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। जिलाधिकारी ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि जनपद के लिए गौरव का विषय है। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शासन स्तर से की जाने वाली घोषणाओं को तत्काल प्रभाव से लागू कराया जाएगा। निर्वाचन कार्यों के समापन के बाद दोनों खिलाड़ियों को जिला अइकॉन के रूप में सम्मानित किया जाएगा और उन्हें प्रशासनिक गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा।

डीपीएस मोदीनगर में उमंग, उत्साह और उल्लास से सजी भव्य ‘डांडिया नाइट’

संगीत, नृत्य और संस्कृति के रंगों में रंगा विद्यालय परिसर; विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने लिया उत्सव का भरपूर आनंद

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक भव्य एवं मनमोहक ‘डांडिया नाइट’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय परिवार को एक साझा सांस्कृतिक मंच प्रदान करना तथा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में भारतीय लोक-संस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और आपसी सौहार्द की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में सांसद राजकुमार सांगवान, विधायिका मंजू सिवाच, डीसीपी सुरेंद्र नाथ तिवारी, एवं एसडीएम कोमल पंवार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन की



शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर डॉ. विक्रम गांधी, सचिव डीएमईटी, प्रो-वाइस चेयरपर्सन अनीशा गांधी दिल्ली पब्लिक स्कूल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन डीएमईटी, दिल्ली पब्लिक स्कूल मोदीनगर एवं इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल स्टडीज एंड टेक्नोलॉजीज के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं विद्यालय के गणमान्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने डांडिया और गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को उल्लास एवं उत्साह से भर दिया। डॉ.

विक्रम गांधी ने कहा, ‘डांडिया नाइट केवल मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता, सांस्कृतिक जुड़ाव और आनंद को साझा करने का उत्सव है।’ अनीशा गांधी ने कहा, ‘ऐसे आयोजन विद्यालय परिवार को एक-दूसरे के और करीब लाते हैं तथा हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति से जुड़ने का सुंदर अवसर और सांस्कृतिक ऊर्जा से सराबोर रहा। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने ‘डांडिया नाइट’ को एक भव्य, जीवंत और सफल आयोजन का रूप प्रदान किया। डीपीएस मोदीनगर की यह डांडिया नाइट विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के लिए एक सुखद एवं अविस्मरणीय स्मृति बन गई।

में प्रस्तुत किया।’ डांडिया नाइट में शामिल अभिभावकों ने कार्यक्रम की भव्यता, सुव्यवस्थित आयोजन और विद्यार्थियों के उत्साह की मुक्त कंठ से सराहना की। कार्यक्रम की सफलता में विद्यालय के हेडमास्टर अंकित गालयान और समस्त अध्यापकगणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समूचा विद्यालय परिसर संगीत, नृत्य, उल्लास और सांस्कृतिक ऊर्जा से सराबोर रहा। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने ‘डांडिया नाइट’ को एक भव्य, जीवंत और सफल आयोजन का रूप प्रदान किया। डीपीएस मोदीनगर की यह डांडिया नाइट विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के लिए एक सुखद एवं अविस्मरणीय स्मृति बन गई।

नगर पंचायत निवाड़ी क्षेत्र में बेसहारा गोवंश के संरक्षण और देखभाल हेतु निर्मित 'कान्हा गोशाला' का भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत निवाड़ी क्षेत्र में बेसहारा गोवंश के संरक्षण और देखभाल हेतु निर्मित 'कान्हा गोशाला' का भव्य शुभारंभ बुधवार को किया गया। 'कान्हा गोशाला' का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, क्षेत्रीय विधायक डॉ. मंजू सिवाच एवं नगर पंचायत चेयरमैन अनिल त्यागी ने समस्त सभासदों के साथ संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि कान्हा गोशाला के चालू होने से क्षेत्र में लावारिस और बेसहारा गोवंश को बेहतर आश्रय, हरा चारा और चिकित्सीय सुविधा मिलेगी। इससे



किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान और सड़कों पर दुर्घटनाओं की समस्या से भी मुक्ति मिलेगी। विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने कहा कि गोसेवा सबसे बड़ा धर्म है और नगर पंचायत निवाड़ी का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

चेयरमैन अनिल त्यागी ने आश्वस्त किया कि गोशाला में गोवंश की देखभाल में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र पाल त्यागी ने की। मंच का कुशल संचालन पूर्व प्रध्याकाय्य महेश चंद एवं संजीव त्यागी द्वारा किया गया। अतिथियों ने गोशाला परिसर का भ्रमण कर

व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। इस अवसर पर रालोद सहकारिता पर प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह बिड़ो, गन्ना समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी, किसान नेता सतेंद्र त्यागी, प्रदीप त्यागी टेकेदार, योगेंद्र पतला, पीताम्बर त्यागी, पूर्व चेयरमैन सुनील त्यागी, राजकुमार वर्मा, विपिन त्यागी, एडवोकेट विवेक त्यागी, अंकित त्यागी, वाइस चेयरमैन आदित्य त्यागी, देवेंद्र त्यागी, जितेंद्र गोस्वामी, अश्वनी त्यागी डायरेक्टर, मदन लाल फौजी, देवांश त्यागी, सभासद जगदीश, मंगू, विकास, नीतू, अख्तर अली, अमित तिसावर, मनीष अग्रवाल, अमित कराते आदि सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक तथा भारी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

दीवाली-छठ पर बिहार जाने वालों को राहत, गाजियाबाद से चलेगी दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

त्योहारों पर यात्रियों की भीड़ कम करने के लिए रेलवे ने की अतिरिक्त व्यवस्था

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दीवाली और छठ पूजा पर बिहार जाने की तैयारी कर रहे दिल्ली-पनसीआर के यात्रियों के लिए राहत की खबर है। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में बढ़ते वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे नवंबर में दो फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। ये ट्रेनें दिल्ली के शकूरबस्ती से बिहार के पटना और झंझारपुर के लिए चलाई जाएंगी। खास बात यह है कि दोनों ट्रेनों का ठहराव गाजियाबाद स्टेशन पर भी होगा। इससे जिले और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले यात्रियों को बिहार जाने के लिए दिल्ली तक जाने की जरूरत नहीं



पड़ेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 04404/04403 शकूरबस्ती-पटना-शकूरबस्ती अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस का संचालन किया जाएगा। शकूरबस्ती से पटना के लिए ट्रेन पांच नवंबर को रवाना होगी, जबकि वापसी में पटना से छह नवंबर

को चलेगी। रास्ते में ट्रेन नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़, टुंडला, गोविंदपुरी, मिर्जापुर, पंडित दीनदाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और दानापुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। दूसरी ट्रेन गाड़ी संख्या 04410/04409 शकूरबस्ती-झंझारपुर-शकूरबस्ती

अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस होगी। यह ट्रेन भी पांच नवंबर से संचालित होगी। इसके ठहराव वाले स्टेशनों में नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, गोंडा, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी और सक्की शामिल हैं। इस ट्रेन से बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। दीवाली और छठ पूजा के दौरान दिल्ली-पनसीआर से बिहार जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में नियमित ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो जाता है और जनरल व स्लीपर कोच में भी भीड़ बढ़ जाती है।

बदलते मौसम में खान-पान का रखें विशेष ध्यान-डॉक्टर हिमांशु

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मोदी अस्पताल के डॉक्टर हिमांशु ने लोगों को सलाह दी है कि बदलते मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखें। अक्टूबर - नवंबर का महानौ मौसम के बदलाव का संकेत देता है। दिन में गर्मी, रात में हल्की ठंड और बीच-बीच में बरसात का शरीर पर सीधा असर पड़ता है। ऐसे में यदि खान-पान सही न रखा जाए तो सर्दी-जुकाम, बुखार, एलर्जी और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए इस समय संतुलित और सावधानीपूर्ण आहार लेना बेहद जरूरी है। नारियल पानी, ताजा छाछ, नींबू पानी और ताजे फलों का सेवन करें। ये शरीर को ऊर्जा



प्रदान करते हैं। दूसरी ओर, रात में हल्की ठंड से बचने के लिए अत्यधिक ठंडी चीजों का सेवन करने से बचें। फ्रिज का बहुत ठंडा पानी या आइसक्रीम लेने से गला खराब हो सकता है। सुबह और रात के

समय हल्का, गर्म और सुपाच्य भोजन लेना बेहतर रहता है। इस मौसम में संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए बाहर का खुला और बासी खाना खाने से बचना चाहिए। ताजे और घर पर बने भोजन को प्राथमिकता दें। हरी सब्जियां, दाल, फल और साबुत अनाज शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। इसके अलावा, मसालेदार और तली-भुनी चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि यह पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। अदरक, हल्दी और तुलसी जैसे प्राकृतिक तत्वों को आहार में शामिल करना फायदेमंद होता है, जो शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं। अंततः, बदलते मौसम में संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित दिनचर्या अपनाकर हम खुद को बीमारियों से बचा सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। पिछले 3 साल से चल रहे मोदी अस्पताल में यहां फिजिशियन के साथ-साथ स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला डॉक्टर, फिजियोथैरेपिस्ट के अलावा चोट आदि लगने पर उपचार की व्यवस्था है। यहां उपचार करने आने वालों को केवलरूपए10 का एक बार कार्ड बनवाना पड़ता है और जब तक उपचार चलता है, तब तक काम करता है।

सुचेतापुरी मोदीनगर में हनुमत कथा प्रारम्भ, हनुमान जी की कृपा के बिना श्री राम की भक्ति सम्भव नहीं-ओझा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अजमीद जी भवन सुचेतपुरी मोदीनगर में हनुमत कथा प्रारम्भ हुई कथा से पूर्व संकीर्तन करते हुए कलश यात्रा निकली गयी। जो कथा स्थल से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर समाप्त हुई कलश यात्रा पताका यात्रा में बड़ी संख्या में माता बहनें उपस्थित हुईं कथा व्यास अरविन्द भाई ओझा ने हनुमत कथा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हनुमान जी भगवान शिव के अंश है इसलिए हनुमान जी जिस पर कृपा करते हैं वही श्री राम की भक्ति प्राप्त कर सकता है। आगे बोलते हुए उन्होंने कहा की हमे जीवन में भावना को बढ़ाना चाहिए। मनुष्य के जीवन में भावना जगने से मानवता जगती है और भावना समाप्त



होने से मानव दानव बन जाता है। हनुमान जी के जीवन के तप के कारण उनकी कथा अमृत कथा हो गयी और भगवन श्री राम स्वयं हनुमान जी की कथा को सुनते हैं।

किसी भी व्यक्ति को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उसके जीवन में उत्साह और द्रढ़ इच्छाशक्ति

होनी चाहिए और दोनों हमे हनुमान जी के जीवन में दिखाई देती है इसलिए हमे हनुमान जी का अनुसरण करना चाहिए। हर व्यक्ति में सुमुति व कुमुति (अच्छाई व बुराई) दोनों होती है पर उसके जीवन में क्या बढ़े ये उसके विवेक पर निर्भर करता है। हनुमान जी की भक्ति करने से हमारा विवेक

जाग्रत होता है जीवन में अच्छाईयां बढ़ने लगती है। आज कथा में मुख्य यजमान अध्यक्ष विनोद वैशाली, पराग रहेला अध्यक्ष विनोद वैशाली की पत्नी श्रीमती सुधा, सभासद प्रदीप शर्मा कालू, सभासद रजनीश चौधरी सत्यनारायण शर्मा, सभासद राहुल उपस्थित रहे।

राम-सीता मिलन ने किया भावुक, अग्नि परीक्षा की लीला से गुंजा श्री सुल्लामल रामलीला मैदान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। श्री सुल्लामल रामलीला समिति की ओर से बुधवार को आयोजित रामलीला में राम-लक्ष्मण संवाद, माता सीता मिलन और सीता अग्नि परीक्षा की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने सजीव अभिनय और प्रभावशाली संवादों के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादों, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को मंच पर जीवंत कर दिया। सीता मिलन के दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया, वहीं अग्नि परीक्षा के प्रसंग ने दर्शकों को सत्य, धैर्य और नारी सम्मान से जुड़े भावों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। पुरे रामलीला मैदान में जय श्रीराम के जयघोष गुंजते रहे। लीला के दौरान भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के बीच संवाद का सुंदर मंचन किया गया।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को नमन, गाजियाबाद पुलिस ने अर्पित की श्रद्धांजलि



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सेवा, समर्पण और सर्वोच्च बलिदान के प्रतीक पुलिस स्मृति दिवस पर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित



शहीद स्मारक पर अमर शहीद पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस आयुक्त गाजियाबाद ने कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों को नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।



इस अवसर पर सलामी गार्ड ने शहीद स्मारक पर सलामी देकर वीर सपूतों के बलिदान को सम्मान दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-

व्यवस्था/यातायात, डीसीपी नगर, ट्रांस हिंडन, ग्रामीण, यातायात और मुख्यालय सहित 47वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक तथा पुलिस और पीएसी के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित

कर उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और देश के प्रति समर्पण को याद किया। अधिकारियों ने कहा कि देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहीद पुलिसकर्मियों का सर्वोच्च बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

डीएम रविंद्र कुमार मॉदड़ ने सुनीं फरियाद, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएँ सुनीं। इस दौरान भूमि पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, जमीन संबंधी धोखाधड़ी, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और सरकारी

योजनाओं का लाभ दिलाने से संबंधित शिकायतें सामने आईं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही और अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गरीब, असहाय, दिव्यांगजन, विधवा महिलाओं और अन्य पात्र जरूरतमंदों

को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता रहेगी। जनसुनवाई में कुछ लोग अपनी समस्याओं के समाधान के बाद डीएम का आभार जताने पहुंचे, जबकि खेल और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल करने वाले लोगों ने भी अपनी खुशी साझा की। इस दौरान एडीएम ई ज्योति मौर्या, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि, शिकायतों का तत्काल निस्तारण करें अधिकारी: पुलिस आयुक्त



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान को लेकर गाजियाबाद पुलिस गंभीर है। बुधवार को पुलिस आयुक्त ने वरिष्ठ नागरिक सेल के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ गोष्ठी कर सुरक्षा व्यवस्था और शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की।

बैठक में पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिए कि वरिष्ठ नागरिकों से नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता से सुना जाए। उनकी शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बुजुर्गों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करने और



उनसे निरंतर संपर्क बनाए रखने पर भी जोर दिया, ताकि वे खुद को सुरक्षित महसूस करें और पुलिस पर उनका विश्वास मजबूत हो। गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, अपर पुलिस उपायुक्त प्रोटोकॉल, सहायक पुलिस आयुक्त महिला अपराध, प्रभारी वरिष्ठ नागरिक सेल सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

विधान परिषद चुनाव में भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत, जीत के लिए उतरी पूरी टीम

शिक्षक और स्नातक मतदाताओं से किया सघन जनसंपर्क, बूथ से पोलिंग सेंटर तक कार्यकर्ताओं ने संभाला मोर्चा



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। विधान परिषद की शिक्षक एवं स्नातक श्रेणी के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी। चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए सांसदों, विधायकों, महापौर, पूर्व महापौर और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं समेत सभी जनप्रतिनिधियों को मैदान में उतारा गया। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने दावा किया कि शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का व्यापक समर्थन पार्टी को मिल रहा है।

मयंक गोयल ने बताया कि



महानगर के सभी बूथों पर एजेंटों और पोलिंग सेंट्रों पर कार्यकर्ताओं की टीमें मुस्तैद हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने शिक्षक श्रेणी के करीब 10 हजार और स्नातक श्रेणी के लगभग 32 हजार मतदाताओं से संपर्क कर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की है। उन्होंने कहा कि



संगठन बूथ स्तर तक सक्रिय है और मतदान के दिन बेहतर प्रबंधन के लिए पूरी तरह तैयार है। महानगर अध्यक्ष ने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाता मतदान के जरिए इसका जवाब देंगे। उन्होंने चुनाव में भाजपा

की बहुमत से जीत का विश्वास जताया। वहीं, प्रचार के अंतिम दिन भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक ने भी गाजियाबाद महानगर के स्नातक मतदाताओं से संपर्क कर पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील की।

काजू कतली के डिब्बे में निकला धारदार ब्लेड, शिकायत करने पर ग्राहक से अभद्रता का आरोप



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। इंदिरापुरम के शक्ति खंड-4 स्थित शगुन मिठाई की दुकान पर काजू कतली के डिब्बे में धारदार ब्लेड निकलने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि मिठाई खरीदने वाले ग्राहक को डिब्बे में काजू



कतली के साथ ब्लेड मिला। इस घटना से खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और ग्राहकों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

पीडित ग्राहक का आरोप है कि जब उसने इस मामले की शिकायत दुकानदार से की और ब्लेड निकलने की जानकारी दी, तो समस्या सुनने और समाधान करने के बजाय दुकानदार ने उसके साथ अभद्रता



की। घटना को लेकर ग्राहक में नाराजगी बताई जा रही है।

खाद्य पदार्थ में इस तरह की संदिग्ध वस्तु मिलने का मामला गंभीर है। हालांकि, ब्लेड डिब्बे में कैसे पहुंचा, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल मामले में संबंधित विभाग की कार्रवाई और दुकानदार का पक्ष सामने आना बाकी है।

किशोरी के घर में घुसकर शादी का दबाव, विरोध पर मां-बेटी से मारपीट; उठाकर ले जाने की धमकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में किशोरी के घर में घुसकर शादी का दबाव बनाने और विरोध करने पर मां-बेटी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दिल्ली के करावल नगर निवासी किशोर ने अपने परिजनों को मौके पर बुला लिया। बसके बाद तीनों ने किशोरी और उसकी मां के साथ गाली-गलौज व मारपीट की और किशोरी को जबरन घर से उठाकर ले जाने की धमकी दी। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने किशोर समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के पिता के मुताबिक, 18 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे दिल्ली के करावल नगर निवासी किशोर उनके घर में घुस आया। आरोप है कि उसने उनकी बेटी से शादी करने की बात कही और दबाव बनाने लगा।

किशोरी ने इसकी जानकारी अपनी मां को दी। मां ने जब इसका विरोध किया तो किशोर ने परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि किशोर ने फोन कर अपनी मां अर्चना और बहन जान्हवी को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद तीनों ने किशोरी और उसकी मां के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने किशोरी को जबरन घर से उठाकर ले जाने की धमकी भी दी। घटना के बाद महिला ने अपने पति को इसकी जानकारी दी। पीड़िता के पिता ने पुलिस को सूचना देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर किशोर समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भरत मिलाप और राज्याभिषेक के साथ राम महोत्सव संपन्न, लेजर शो ने मोहा मन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। श्री रामलीला समिति, राजनगर की ओर से आयोजित रामलीला मेला एवं राम महोत्सव का समापन भरत मिलाप, भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक, भव्य आतिशबाजी और पहली बार आयोजित लेजर शो के साथ भूमधाम से हुआ। श्रीराम और भरत के भावुक मिलन के दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद गुरु वशिष्ठ ने भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक किया। समारोह में भव्य आतिशबाजी और लेजर शो मुख्य आकर्षण रहे। इन्हें देखने के लिए हजारों लोग देर तक मैदान में मौजूद रहे। समिति पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पुलिस बल की सतर्कता से मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मेले में शामिल करीब एक दर्जन बच्चों को सेक्टर-9 चौकी प्रभारी विकास यादव,



कमलकांत और उनकी टीम ने परिजनों से मिलवाया। समापन पर उत्कृष्ट कलाकारों, सफाई कर्मचारियों, बिजली व्यवस्था में सहयोग करने वालों और

बेहतर स्टॉल संचालकों को सम्मानित किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारी और राजनगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भारत को जानो प्रश्नमंच प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया ज्ञान

कनिष्ठ वर्ग में डॉल्फिन पब्लिक स्कूल और वरिष्ठ वर्ग में बालवाड़ी पब्लिक स्कूल ने हासिल किया पहला स्थान



ललित शर्मा

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। भारत विकास परिषद के तत्वावधान में युवा पीढ़ी और बच्चों को देश के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा और उपलब्धियों से परिचित कराने के उद्देश्य से 'भारत को जानो' प्रश्नमंच

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और वंदेमातरम के गायन के साथ हुआ।

प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग के 16 और वरिष्ठ वर्ग के 10 विद्यार्थियों की टीमों ने भाग लिया। कनिष्ठ वर्ग में डॉल्फिन पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान



प्राप्त किया, जबकि वरिष्ठ वर्ग में बालवाड़ी पब्लिक स्कूल, कादराबाद की टीम विजेता रही। विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अपनी बौद्धिक क्षमता के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सतीश चंद्र अग्रवाल और विशिष्ट

अतिथि मुकेश मोहन अग्रवाल उपस्थित रहे। संस्कार भारती के जिलाध्यक्ष सुनील गोयल सहित परिषद के पदाधिकारी और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

समापन पर विजेता और उपविजेता छात्र-छात्राओं को स्मृतिचिह्न, प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित

किया गया। उत्कृष्टप्रदर्शन करने वाली टीमों को आगामी प्रांतीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए चुना गया। वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में राष्ट्रीयता की भावना और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

यमुना प्राधिकरण कूच कर रहे किसानों पर पुलिस का शिकंजा, सैकड़ों हिरासत में; जमकर हुई नोकझोंक



कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। अपनी मांगों को लेकर यमुना विकास प्राधिकरण पर धरना देने जा रहे किसानों और महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच जमकर नोकझोंक हुई।

मौके पर भारी पुलिस बल



तैनात रहा। किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्राधिकरण के अधिकारियों को कई बार पत्र दे चुके हैं, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं होने से उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। इसी के विरोध में किसान और महिलाएं प्राधिकरण पर धरना देने के लिए कूच कर रहे थे। जिले में धारा 163 लागू होने के बीच पुलिस

ने किसानों को रोककर हिरासत में लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस और किसानों के बीच तीखी बहस हुई। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस की कार्रवाई से किसानों में रोष है। किसान अपनी मांगों को पूरा कराने के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं।

